Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

ए

एक्रोन, एज्रा, एदोम, एनगदी, एपोद, एप्रात, एप्रैम, एब्यातार, एमोरी, एलयाकीम, एलाम, एलिय्याह, एलीआजार, एलीशा, एलीशिबा, एसाव, एस्तेर

एक्रोन

तथ्य:

एक्रोन पलिश्तियों का एक प्रमुख नगर था, भूमध्य सागर से नौ मील भीतर भूमि पर।

- एक्रोन में झूठे देवता बालजबूल का मन्दिर था।
- युद्ध में इस्राएलियों से वाचा का सन्दूक छीन लेने के बाद पलिश्ती इसे अश्दोद में ले गए तदोपरान्त वे उसे गत और एक्रोन में ले गए क्योंकि जिस नगर में भी वे वाचा का सन्दूक ले गए वहां परमेश्वर ने उन्हें रोगग्रस्त किया और मार डाला था। अन्त में पलिश्तियों ने वाचा का सन्दूक इस्राएल भेज दिया।
- जब अहज्याह छत पर से गिर कर घायल हो गया था तो उसने एक्रोन के बालजबूल देवता से पूछा था कि वह जीवित बचेगा या नहीं। उसके इस पाप के कारण परमेश्वर ने उससे कह दिया था कि वह मर जाएगा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अहज्याह, वाचा का सन्दूक, अश्दोद, शैतान, झूठे देवता, गत, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 05:10
- यहोशू 13:2–3
- न्यायियों 01:18–19
- जकर्याह 09:5–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6138, H6139

एज्रा

तथ्य:

एज्रा एक यहूदी याजक एवं व्यवस्था विशेषज्ञ था, उसने बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वाले इस्राएलियों का इतिहास लिखा था। इस्राएल 70 वर्ष बेबीलोन की बन्धुआई में था।

- एज्रा ने यह इतिहास बाइबल की एज्रा नामक पुस्तक में लिखा है। नहेम्याह नामक पुस्तक भी उसी ने लिखी होगी क्योंकि मूल में ये दोनों पुस्तकें एक ही थी।
- यरूशलेम लौटकर उसने व्यवस्था को पुनः लागू किया था, क्योंकि उन्होंने सब्त के नियमों का पालन करना छोड़ दिया था और अन्यजाति स्त्रियों से जो मूर्तिपूजक थी, विवाह कर लिया था।
- एज्रा ने मन्दिर के पुनः निर्माण में भी सहायता की थी जिसे बेबीलोन की सेना ने यरूशलेम पर कब्जा करते समय ध्वंस कर दिया था।
- पुराने नियम में एज्रा नामक दो और पुरुष हुए हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, बन्धुआई, यरूशलेम, व्यवस्था, नहेम्याह, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 7:6
- नहेम्याह 8:1–3
- नहेम्याह 12:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H250, H5830, H5831

एदोम

तथ्य:

एदोम एसाव का दूसरा नाम था। जिस स्थान में वह बस गया उस स्थान का नाम "एदोम" पड़ गया जो आगे चल कर "इदूमिया" हो गया। "एदोमियों" उसके वंशज थे।

- एदोम क्षेत्र समय के साथ-साथ स्थान बदलता रहा। वह इस्राएल के दक्षिण में था और विस्तार करते करते अन्त में दक्षिण में यहूदा तक फैल गया।
- नये नियम के युग में एदोम यहूदा राज्य का दक्षिणी अर्धभाग हो गया था। यूनानियों ने उसे "इदूमिया" कहा।
- एदोम शब्द का अर्थ है "लाल" जो इस तथ्य के संदर्भ में है कि जब एसाव का जन्म हुआ था तब उसके शरीर पर लाल बाल थे। या इसका संदर्भ लाल रंग की उस दाल से भी हो सकता है जिसके बदले में एसाव ने अपने पहिलौठे होने का अधिकार बेच दिया था।
- पुराने नियम में एदोम देश को सदैव ही इस्राएल का शत्रु कहा गया है।
- ओबद्याह की संपूर्ण पुस्तक में एदोम के विनाश की भविष्यद्वाणी की गई है। पुराने नियम के अन्य भविष्यद्वक्ताओं ने भी एदोम के विरूद्ध भविष्यद्वाणियां की थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैरी, पहिलौठे का अधिकार, एसाव, ओबद्याह, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:30
- उत्पत्ति 32:3
- उत्पत्ति 36:1
- यशायाह 11:14–15
- यहोशू 11:16–17
- ओबद्याह 01:2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H123, H130, H8165, G2401

एनगदी

परिभाषा:

एनगदी नामक जंगल में यरूशलेम के दक्षिण पूर्व में एक नगर था।

एनगदी मृत सागर के पश्चिमी तट पर स्थित था।

- इसके नाम का आधा अर्थ है "सोता" जो उस नगर से बह कर सागर में गिरता है।
- एनगदी दाख की बारियों और उपजाऊ भूमि के लिए प्रसिद्ध स्थान था जिसका कारण था उस सोते का सदाबहार जल प्रवाह।
- एनगदी में अनेक गढ़ थे जहां दाऊद शाऊल राजा से बचने के लिए भाग गया था।

(यह भी देखें: दाऊद, रेगिस्तान, सोता, यहूदा, विश्राम, खारे ताल, शाऊल (पुराना नियम), गढ़, दाख की बारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 20:1–2
- श्रेष्ठगीत 01:12–14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5872

एपोद

परिभाषा:

“एपोद” एक प्रकार का परिधान होता था जिसे इस्राएलियों के याजक धारण करते थे। इसके दो भाग थे, आगे का और पीछे का, कंधों पर जुड़ा और कमर पर कपड़े के पटुका से बांधा जाता था।

- एक और एपोद था जो साधारण मलमल का होता था और साधारण याजकों द्वारा धारण किया जाता था।
- महायाजक का एपोद सोने और नीले, बैंगनी एवं लाल धागे से सुसज्जित किया जाता था।
- महायाजक का चपरास एपोद के सामने के भाग से जुड़ा होता था। याजक के सीनाबन्द में परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए ऊरीम और तुम्मीम रहते थे।
- न्यायी गिदोन ने मूर्खता करके सोने का एक एपोद बनवाया था जो इस्राएलियों के लिए मूर्तिपूजा हो गया था।

(यह भी देखें: याजक)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 02:18–19
- निर्गमन 28:4–5
- होशे 03:4–5
- न्यायियों 08:27–28
- लैव्यव्यवस्था 08:6–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H641, H642, H646

एप्रात

तथ्य:

"एप्रात" और "एप्राती" शब्द शायद "एप्रैम" नाम से प्राप्त हुए हैं, जो यूसुफ के पुत्रों में से एक थे और इस्राएल की 12 जनजातियों में से एक के कुलपति बन गए। विभिन्न

- "एप्रात" उस क्षेत्र का नाम है जहां बेथेल शहर के पास, राहेल की मृत्यु हो गई।
- पुराने नियम में "एप्रात" नाम की एक स्त्री है, जो कालेब की पत्नी थी।
- बेथलहम और किरजथ-जियरिम दोनों शहरों को "एप्राती" भी कहा जाता है, भले ही दोनों शहर ऊपर (बेथेल के पास) की तुलना में एक अलग क्षेत्र में हैं।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, बोआज़, कालेब, दाऊद, इस्राएल)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H672, H673

एप्रैम

तथ्य:

एप्रैम यूसुफ का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।

- एप्रैम नाम उच्चारण में इब्रानी शब्द, के अर्थ, "फलवन्त बनाना" जैसा लगता है।
- एप्रैम का गोत्र इस्राएल के उत्तरी भाग में स्थित दस गोत्रों में से एक था।
- बाइबल में कभी-कभी एप्रैम शब्द संपूर्ण उत्तरी राज्य इस्राएल के लिए काम में लिया जाता था। ठीक वैसे ही जैसे इस्राएल के दक्षिणी राज्य के लिए कभी-कभी यहूदा शब्द काम में लिया जाता था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यूसुफ़, मनश्शे, इस्राएल का राज्य, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 6:66–69
- 2 इतिहास 13:4–5
- यहेजकेल 37:16
- उत्पत्ति 41:52
- उत्पत्ति 48:1–2
- यूहन्ना 11:54

शब्द तथ्य:

- Strong's: H669, H673, G2187

एब्यातार

परिभाषा:

एब्यातारन दाऊद के राज्यकाल में इस्राएल का महायाजक था।

- शाऊल जब याजकों का संहार कर रहा था तब एब्यातार भाग कर जंगल में दाऊद की शरण में पहुंचा था।
- एब्यातार और दूसरा महायाजक सादोक दाऊद के संपूर्ण राज्यकाल में उसके विश्वासयोग्य रहे थे।
- दाऊद के मृत्यु के बाद एब्यातार ने सुलैमान के स्थान में अदोनिय्याह को राजा बनाने में सहायता की थी।
- इस कारण राजा सुलैमान ने एब्यातार को याजकीय पद से हटा दिया था।

(यह भी देखें: सादोक, शाऊल (पुराना नियम), दाऊद, सुलैमान, अदोनिय्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 27:32–34
- 1 राजा 1:7
- 1 राजा 2:22–23
- 2 शमूएल 17:15
- मरकुस 2:25–26

शब्द तथ्य:

- Strong's: H0054, G00080

एमोरी

तथ्य:

एमोरी एक सामर्थी जाति थी जो कनान में, यारदन नदी के दोनों ओर निवास करती थी।

- उनके नाम का अर्थ है, "ऊंचे लोग" जो संभवतः उनके स्थान के पर्वतों के कारण या उनके लबे कद के कारण पड़ा था।
- उत्पत्ति की पुस्तक से विदित होता है कि एमोरी नूह के पोते, कनान के वंशज थे।
- ऐ नगर में एमोरी बसे हुए थे|
- परमेश्वर "एमोरियों का पाप" के विषय चर्चा करता है- उनकी मूर्तपूजा और उससे जुड़े पापी अभ्यास।
- परमेश्वर ने जैसी आज्ञा दी उसी के अनुसार यहोशू ने एमोरियों का सर्वनाश करने के लिए इस्राएलियों की अगुआई की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- आमोस 2:9
- यहेजकेल 16:3
- उत्पत्ति 10:16
- उत्पत्ति 15:14–16
- यहोशू 09:10

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **15:7** कुछ समय बाद, कनान में एक अन्य जाति, **एमोरियों** के राजा ने जब यह सुना कि गिबोन के निवासियों ने इस्राएलियों से मेल कर लिया है, तब उसने सब के साथ मिलकर एक विशाल सेना तैयार की और गिब्बोनियों पर आक्रमण कार दिया।
- **15:08** प्रात:काल उन्होंने **एमोरियों** की सेना को चकित कर दिया व उन पर हमला कर दिया।
- **15:9** उस दिन परमेश्वर इस्राएल के लिए लड़ा। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और आकाश से पत्थर गिरा कर अनेक एमोरियों को घात किया।
- **15:10** उस दिन परमेश्वर ने सूर्य को आकाशमण्डल के बीचोंबीच ठहरा दिया, ताकि इस्राएलियों के पास एमोरियों का सर्पवनाश करने के लिए पर्याप्त समय हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H567,

एलयाकीम

तथ्य:

एल्याकीम नामक दो पुरूष पुराने नियम में हुए थे।

- एलयाकीम नामक एक पुरुष हिजकिय्याह राजा का भण्डारी था।
- दूसरा एलयाकीम राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसे मिस्र के फिरौन नको ने यहूदा का राजा बनाया था।
- नको ने उसका नाम बदल कर यहोयाकीम रखा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हिजकिय्याह, यहोयाकीम, होशिय्याह, फिरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:118
- 2 राजा 18:26
- 2 राजा 18:37
- 2 राजा 12:34–35

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0471, G16620

एलाम

तथ्य:

एलाम शेम का पुत्र और नूह का पोता था।

- एलाम के वंशज एलामी कहलाते थे और वे एलाम क्षेत्र के निवासी थे।
- एलाम क्षेत्र आज के पश्चमी ईरान में हिद्देकेल नदी के दक्षिण पूर्व में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:17–19
- प्रे.का. 02:8–11
- एज्रा 08:4–7
- यशायाह 22:5–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5867, H5962, G1639

एलिय्याह

तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ताओं में से एक था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

- परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
- एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
- उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
- समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से जीवित ही स्वर्ग में उठा लिया था।
- सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आश्चर्यकर्म, भविष्यद्वक्ता, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 17:1
- 2 राजा 1:3–4
- याकूब 5:16–18
- यूहन्ना 1:19–21
- यूहन्ना 1:24–25
- मरकुस 9:5

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **19:2** _एलिय्याह_ इस्राएल के राजा आहाब के राज्यकाल में एक भविष्यद्वक्ता था।
- **19:2** **एलिय्याह** ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
- **19:3** परमेश्वर ने **एलिय्याह** से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
- **19:4** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनकी **कुप्पी** का तेल घटने दिया।
- _19:5_ साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन **एलिय्याह** के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
- _19:7_ और **एलिय्याह** ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
- **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;

- **36:3** तब मूसा और **एलिय्याह** नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H452, G2243

एलीआजार

तथ्य:

बाइबल में एलीआजार नामक अनेक पुरुष हुए थे।

- एलीआजार मूसा के भाई हारून का तीसरा पुत्र था। हारून के मरणोपरान्त एलियाजार को इस्राएल का महायाजक बनाया गया।
- एलियाजार दाऊद के शूरवीरों में से भी एक था।
- यीशु के पूर्वजों में भी एलियाजार नामक एक पुरुष था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हारून, महा-याजक, दाऊद, सामर्थी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 24:1–3
- न्यायियों 20:27–28
- गिनती 26:1–2
- गिनती 34:16–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H499, G1648

एलीशा

तथ्य:

एलीशा इस्राएल में अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की सेवा करता था: अहाब, अहज्याह, यहोराम, येहू, यहोआहाज तथा यहोआश

- परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता एलिय्याह को आदेश दिया था कि वह एलीशा का भविष्यद्वक्ता होने के लिए अभिषेक करे।
- जब एलिय्याह को अग्नि रथ में स्वर्ग में उठा लिया गया था तब एलीशा इस्राएल के राजाओं के लिए परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता हुआ।
- एलीशा ने अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें सीरिया के सेनानायक को कोढ़ से चंगा करना तथा एक शूनेमी स्त्री के पुत्र को मृतकों में से जिलाना भी था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एलिय्याह, नामान, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 19:15–16
- 2 राजा 3:15
- 2 राजा 5:8
- लूका 4:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0477

एलीशिबा

तथ्य:

इलीशिबा यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की माता का नाम था। उसके पति का नाम जकर्याह था।

- जकर्याह और इलीशिबा के पास कोई सन्तान नहीं थी परन्तु उनकी वृद्धावस्था में परमेश्वर ने जकर्याह से प्रतिज्ञा की कि एलिशीबा उसके लिए एक पुत्र को जन्म देगी।
- परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और शीघ्र ही एलिशीबा गर्भवती हुई और एक पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उस बालक का नाम यूहन्ना रखा।
- इलीशिबा यीशु की माता मरियम की संबन्धी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 1:5
- लूका 1:24–25
- लूका 1:41

शब्द तथ्य:

- Strong's: G166500

एसाव

तथ्य:

एसाव इसहाक और रिबका के जुड़वा पुत्रों में से एक था। वह पहिलौठा था। याकूब उसका जुड़वा भाई था।

- एसाव ने दाल के एक कटोरे के लिए याकूब को अपना पहिलौठे का अधिकार बेच दिया था।
- एसाव पहिलौठा था, इसलिए इसहाक को उसे विशेष आशिषें देनी थी। परन्तु याकूब ने धोखे से वे आशिषें ले लीं। आरंभ में तो एसाव क्रोध के कारण याकूब की हत्या करना चाहता था परन्तु बाद में उसने याकूब को क्षमा कर दिया।
- एसाव की अनेक सन्तान तथा नाती-पोते हुए थे जो कनान में एक जाति होकर बस गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एदोम, इसहाक, याकूब, रिबका)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 25:24–26
- उत्पत्ति 25:29–30
- उत्पत्ति 26:34–35
- उत्पत्ति 27:11–12
- उत्पत्ति 32:3–5
- इब्रानियों 12:14–17
- रोमियो 09:10–13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **6:7** जब रिबका के प्रसव का समय आया, पहला जो उत्पन्न हुआ वह लाल निकला, और उसका सारा शरीर कम्बल के समान रोममय था; इसलिये उसका नाम **एसाव** रखा गया।
- **7:2** तो **एसाव** ने अपने पहिलौठे का अधिकार याकूब के हाथ बेच दिया।
- **7:4** जब इसहाक ने उसे टटोलकर देखा और उसके वस्त्रो की सुगन्ध पाकर समझा कि वह **एसाव** है, तो उसे जी से आशीर्वाद दिया।
- **7:5** **एसाव** ने याकूब से बैर रखा क्योंकि उसने उसके पहिलौठे होने का अधिकार और आशीषों को छीन लिया था।
- **7:10** परन्तु **एसाव** याकूब को पहले ही माफ़ कर चुका था, और वे एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6215, G2269

एस्तेर

तथ्य:

एस्तेर एक यहूदी स्त्री थी, यहूदी जब बेबीलोन की बन्धुआई में ही थे तब वह फारस साम्राज्य की रानी बनी थी। एस्तेर उसका फारसी नाम था जबकि उसका इब्रानी नाम हदस्सा था।

- एस्तेर की पुस्तक में एस्तेर का फारसी राजा क्षयर्ष की पत्नी बनना और उसके माध्यम से परमेश्वर द्वारा यहूदियों की सुरक्षा का वृत्तान्त लिखा है।

एस्तेर एक अनाथ बालिका थी जिसे उसके रिश्ते के भाई मोर्दकै ने पाल पोस कर बड़ा किया था।

- अपने इस अभिभावक की आज्ञा मानने से उसे परमेश्वर की आज्ञा मानने में सहायता मिली थी।
- एस्तेर ने परमेश्वर की आज्ञा मानी और अपने लोगों को अर्थात यहूदियों को बचाने के लिए जान की जोखिम उठाई थी।
- एस्तेर की कहानी इतिहास की घटनाओं पर परमेश्वर के सर्वोच्च नियंत्रण का वरन विशेष करके उसकी प्रजा की सुरक्षा और उसकी आज्ञा माननेवालों के माध्यम से उसके कार्यों का उदहारण है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्षयर्ष, बाबेल, मोर्दकै, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- एस्तेर 02:7
- एस्तेर 02:15
- एस्तेर 07:01
- एस्तेर 08:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H635